वन विहार में अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस पर पक्षी भ्रमण और संरक्षण कार्यक्रम

राज्य ब्यूरो नईदुनिया, भोपालः अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी भ्रमण और गिद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों को गिद्धों के महत्व, उनकी पारिस्थितिक भूमिका और संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

वन विहार के संचालक विजय कुमार के निर्देशन में भोपाल बर्ड्स और वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने प्राकृतिक वातावरण में पक्षी अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न पक्षी प्रजातियों के व्यवहार, आवास और संरक्षण से जुड़ी जानकारी दी गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर ने बताया कि गिद्ध प्रकृति के महत्वपूर्ण सफाईकर्मी हैं। वे मृत पशुओं के अवशेषों को शीघ्र समाप्त कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। गिद्धों की मौजूदगी से बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

सहायक संचालक डॉ. रूही हक ने गिद्धों के सामने मौजूद संरक्षण संबंधी चुनौतियों की जानकारी देते हुए कहा कि इनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, सुरक्षित भोजन और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। भोपाल बर्ड्स के मो. खालिक ने कहा कि गिद्ध संरक्षण केवल एक पक्षी प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि स्वस्थ पर्यावरण और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ा विषय है।

कार्यक्रम में पक्षी प्रेमियों, विद्यार्थियों और वन्यजीव संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर वन विहार में आने वाले पर्यटकों के लिए ऑन-स्पॉट प्रश्नोत्तरी और स्नेक एंड लेजर गेम का आयोजन भी किया गया। इसमें करीब 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को सहायक संचालक डॉ. रूही हक ने पुरस्कार प्रदान किए।

वन विहार प्रबंधन ने लोगों से वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी करने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि गिद्धों के संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आगे भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। रविवार को वन विहार में पत्थर पेंटिंग, लकड़ी की टाइल पेंटिंग, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पर्यटकों के लिए फिर से प्रश्नोत्तरी और अन्य गतिविधियों का आयोजन होगा।

गंदगी फैलाने वालों पर निगम की कार्रवाई

नप्र, भोपालः नगर निगम ने शहर में साफ-सफाई व्यवस्था को प्रभावित करने और अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए निगम अमले ने 56 मामलों में कुल 8 हजार 500 रुपये का मौके पर जुर्माना वसूला। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण का कचरा फैलाने, खुले में शौच करने, थूकने और एकल उपयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जोन क्रमांक 13 में 27 मामलों में 4 हजार 700 रुपये, जोन क्रमांक 14 में 20 मामलों में 2 हजार रुपये तथा जोन क्रमांक 15 में नौ मामलों में 1 हजार 800 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के पालन के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। साफ-सफाई व्यवस्था में बाधा पहुंचाने और प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाघों के शिकार और अंगों की तस्करी का आरोपी शेरू पारधी गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने वन्यजीव अपराधों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बाघों के शिकार और उनके अंगों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी से जुड़े आरोपी शेरू पारधी उर्फ शेरू सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब डेढ़ साल से फरार था और उसकी तलाश कई राज्यों की एजेंसियां कर रही थीं।

एमपीएसटीएसएफ के अनुसार, आरोपी को शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र से पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान उसकी पत्नी बिनौरी बाई को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी वन्यजीवों के शिकार की तैयारी में थे। उनके पास से छुरी, चाकू, कुल्हाड़ी और पक्षी पकड़ने का जाल बरामद किया गया है।

जांच में सामने आया है कि बाघों के शिकार और अंगों की तस्करी में एक संगठित गिरोह सक्रिय था। इस गिरोह के सदस्य मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तराखंड जैसे राज्यों में बाघों का शिकार करते थे। इसके बाद बाघों की हड्डियां और अन्य अंगों को देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय तस्करों तक पहुंचाया जाता था।

वन विभाग की टीम को आशंका है कि वन्यजीव अंगों को अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। मामले में अब तक पांच राज्यों से आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गिरफ्तार आरोपियों को जबलपुर स्थित विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की वन रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के दौरान गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और तस्करी नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

शेरू पारधी पर पहले भी वन अपराधों के मामले दर्ज हैं। कर्नाटक और महाराष्ट्र में उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र वन विभाग ने उसे फरार घोषित किया था।

बिजली चोरी के केस में राहत का मौका

12 की लोक अदालत में 10 लाख तक के मामलों पर छूट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बिजली चोरी या बिजली से जुड़ी अनियमितता के मामलों में फंसे उपभोक्ताओं के लिए 12 सितंबर 2026 को राहत पाने का मौका है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

इसमें लंबित बिजली मामलों का समझौते के जरिए निराकरण किया जा सकेगा। सबसे अहम बात यह है कि पात्र मामलों में सिर्फ मूल देनदारी पर ही राहत नहीं मिलेगी, बल्कि विलंब से लगने वाले ब्याज में भी बड़ी छूट का प्रावधान है। बिजली कंपनी के अनुसार लोक अदालत में उन्हीं मामलों को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिनमें आकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपये तक है। हालांकि हर मामले में एक जैसी छूट नहीं मिलेगी। मामला प्री-लिटिगेशन स्तर पर है या पहले से न्यायालय में लंबित है, इसके आधार पर राहत की राशि अलग होगी। यदि मामला अभी न्यायालय में जाने से पहले यानी प्री-लिटिगेशन स्तर पर है, तो कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसका मतलब है कि ऐसे उपभोक्ता लोक अदालत में समझौता करके अपनी देनदारी का एक हिस्सा कम करा सकते हैं।

कोर्ट में लंबित मामलों में 20 प्रतिशत छूटः जो मामले पहले से लिटिगेशन स्तर पर पहुंच चुके हैं, उनमें आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके साथ सबसे बड़ी राहत ब्याज के मामले में है। भुगतान में देरी पर लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है।

ग्वालियर से भोपाल आ रही बस में भीषण आग, 25 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

चलती बस में उठीं आग की लपटें, खिड़कियां तोड़कर बाहर निकले यात्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ग्वालियर से भोपाल आ रही शरद ट्रैवल्स की वीडियो कोच बस में शनिवार रात भीषण आग लग गई। चेतकपुरी स्थित विवेकानंद तिराहे पर रात करीब साढ़े नौ बजे बस के पिछले हिस्से से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं।

बस में करीब 25 यात्री सवार थे, जिन्होंने समय रहते खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बस रात करीब नौ बजे ग्वालियर रोडवेज बस स्टैंड से भोपाल के लिए रवाना हुई थी। करीब आधे घंटे बाद विवेकानंद तिराहे के पास यात्रियों को बस के अंदर धुआं दिखाई देने लगा। यात्रियों ने इसकी जानकारी चालक और क्लीनर को दी। कुछ देर बाद बस तिराहे पर यात्रियों को बैठाने के लिए रुकी, तभी उसके पिछले हिस्से से तेज आग की लपटें निकलने लगीं। आग तेजी से फैलते ही बस के भीतर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। यात्रियों ने खिड़कियों के कांच तोड़कर बाहर निकलना शुरू किया। कुछ यात्री दरवाजे से कूदकर बाहर आए। बस स्टाफ और यात्रियों की मदद से सभी 25 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हादसे के दौरान बस में सवार एक बुजुर्ग हृदय रोगी धुएं के कारण बेहोश हो गए। उन्हें यात्रियों और पुलिसकर्मियों की मदद से बस से बाहर निकाला गया। मौके पर उन्हें सीपीआर दिया गया, जिसके बाद एम्बुलेंस से जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। आग लगने की सूचना मिलते ही करीब 10 मिनट में दमकल दल मौके पर पहुंच गया। दमकल की दो गाड़ियों ने पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, आग इतनी तेजी से फैली कि उस पर काबू पाने तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

रोटरी क्लब ने किया 18 श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल शहपुरा, भोपाल कैपिटल एवं भोपाल नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में 'टीचर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2026' आयोजित किया गया। सुख-शांति भवन के ऑडिटोरियम में हुए समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 18 श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि आईईएस यूनिवर्सिटी के चांसलर बी.एस. यादव ने शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि राजयोगिनी नीता दीदी ने शिक्षा के साथ आध्यात्मिक योग के महत्व पर प्रकाश डाला। डिस्ट्रिक्ट लिटरेसी चेयर रोटेरियन रेणु सिंह ने रोटरी के शैक्षणिक कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन वाणी पुरोहित ने किया। संयोजन पीडीजी जिनेन्द्र जैन के मार्गदर्शन में हुआ। इवेंट चेयर दीपेश भंडारी सहित तीनों क्लबों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मानसून में सुरक्षित रेल संचालन के लिए रेल ट्रैक पर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था

संवेदनशील स्थानों पर 118 पेट्रोलमैन एवं 174 वाचमैन तैनात

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मानसून के दौरान तेज बारिश, आंधी-तूफान, जलभराव एवं बाढ़ जैसी संभावित परिस्थितियों में सुरक्षित, संरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने व्यापक तैयारियां पूरी की हैं।

मंडल के लगभग 1023 किलोमीटर के विस्तृत रेल नेटवर्क पर रेल पथ, पुलों, सिग्नलिंग, विद्युत उपकरणों एवं जल निकासी व्यवस्था की विशेष निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के निर्देशन में मानसून के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। संवेदनशील एवं संभावित जोखिम वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

रेल पथ की सतत निगरानी एवं संभावित खतरों की समय रहते पहचान के लिए संवेदनशील स्थानों पर 118 पेट्रोलमैन एवं 174 वाचमैन, कुल 292 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इनके द्वारा निर्धारित क्षेत्रों में नियमित मानसून पेट्रोलिंग की जा रही है, ताकि रेल पथ में किसी प्रकार की क्षति, जलभराव अथवा अन्य असामान्यता का तत्काल पता लगाया जा सके।

भोपाल मंडल का विस्तृत रेल नेटवर्क खंडवा-इटारसी, इटारसी-भोपाल, भोपाल-बीना, बीना-गुना तथा गुना-मक्सी जैसे महत्वपूर्ण रेलखंडों से होकर गुजरता है। इन प्रमुख सेक्शनों की लंबाई क्रमशः 183 किमी, 92 किमी, 138 किमी, 118 किमी एवं 214 किमी है। इतने विस्तृत नेटवर्क पर मानसून के दौरान सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोलिंग एवं निरीक्षण व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया है। मंडल में बांधों, पुलों एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं को विशेष रूप से चिन्हित कर उनकी निगरानी बढ़ाई गई है। संवेदनशील पुलों पर वॉटर लेवल अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं, जिससे जलस्तर में असामान्य वृद्धि की स्थिति में समय रहते सूचना प्राप्त हो सके और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल एहतियाती कदम उठाए जा सकें।

मानसून के दौरान जलभराव से रेल परिचालन प्रभावित न हो, इसके लिए रेल पथ एवं यार्ड क्षेत्रों में नालियों, पुलियों तथा जल निकासी मार्गों की व्यापक सफाई कराई गई है। जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक अनुरक्षण कार्य भी किए गए हैं।

फर्जी आईएएस बनकर बनाया रसूख फिर नौकरी के नाम पर ठगी का खेल

भोपाल। खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों के बीच रसूख बनाने वाली तृप्ति सिंह के मामले में पुलिस जांच के दौरान लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। आरोप है कि तृप्ति ने अपने भाई सुधांशु के साथ मिलकर सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को झांसे में लिया और उनसे रकम वसूली। पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए फर्जी जॉइनिंग लेटर और अन्य दस्तावेज तैयार कराए जाते थे। जांच में सामने आया है कि इन दस्तावेजों को तैयार करने में एआई तकनीक की मदद ली गई।

मामले में पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले प्रखर को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लैपटॉप भी जब्त किया गया है। पुलिस अब लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों की जांच कर यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज किस तरह तैयार किए जाते थे और इस पूरे नेटवर्क में कितने लोग शामिल थे। पूछताछ के बाद प्रखर को जेल भेजा जा चुका है, लेकिन उसके डिजिटल डिवाइस जांच का अहम हिस्सा बने हुए हैं।

नौकरी का झांसा देकर लोगों को फंसाने का आरोप

पुलिस जांच के अनुसार, तृप्ति और सुधांशु ऐसे लोगों से संपर्क करते थे, जो सरकारी नौकरी की तलाश में थे। उन्हें विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी लगवाने का भरोसा दिया जाता था। इसके बाद फर्जी जॉइनिंग लेटर और दस्तावेज दिखाकर पीड़ितों को विश्वास दिलाया जाता था कि उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि दस्तावेज तैयार करने की जिम्मेदारी उनके साथी प्रखर के पास थी। वह एआई की सहायता से सरकारी दस्तावेजों जैसे दिखने वाले पत्र तैयार करता था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन दस्तावेजों का इस्तेमाल कितने लोगों को ठगने में किया गया।

टीला जमालपुरा में महापौर ने किया मटकी फोड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर टीला जमालपुरा क्षेत्र में आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ महापौर मालती राय ने किया। वार्ड क्रमांक 13 के टीला जमालपुरा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में हुए आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद एवं महापौर परिषद सदस्य मनोज राठौर, वरुण गुप्ता सहित आयोजन समिति के सदस्य और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

पितृपक्ष से पहले ही ट्रेनों में सीटों का संकट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही ग्वालियर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में सीटों के लिए मारामारी शुरू हो गई है।

सितंबर के अंत में शुरू होने वाले पितृपक्ष से लेकर दीवाली और छठ पूजा तक उत्तर और दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों की ओर जाने वाली कई ट्रेनों में नो रूम की स्थिति बन गई है। नियमित ट्रेनों के साथ विशेष ट्रेनें भी यात्रियों की बढ़ती भीड़ के सामने कम पड़ रही हैं। ऐसे में यात्रियों के पास तत्काल कोटे के टिकट का विकल्प ही प्रमुख सहारा बचा है।

पितृपक्ष के दौरान गंगा स्नान और तर्पण के लिए हरिद्वार व ऋषिकेश जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। ग्वालियर से इस मार्ग पर चलने वाली उज्जैनी एक्सप्रेस, इंदौर-देहरादून एक्सप्रेस, कलिंग उत्कल एक्सप्रेस और योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस में सीटें भर चुकी हैं। रेलवे द्वारा चलाई जा रही दुर्ग-हरिद्वार, हुबली-योगनगरी ऋषिकेश और बेंगलुरु-योगनगरी ऋषिकेश विशेष ट्रेनों में भी लंबी प्रतीक्षा सूची बनी हुई है। सप्ताह में केवल एक दिन चलने वाली इन ट्रेनों के कारण यात्रियों के पास विकल्प भी सीमित हैं। 27 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत होगी। इस दौरान गयाजी में पिंडदान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ग्वालियर से गया जाने के लिए चंबल एक्सप्रेस सीधी ट्रेन का प्रमुख विकल्प है और इसमें अभी से सीटें पूरी तरह भर चुकी हैं। गया मार्ग पर अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नई विशेष ट्रेन की घोषणा नहीं होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।गणेशोत्सव के कारण महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेनों में भी टिकटों की मांग बढ़ गई है।

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव में सामाजिक समरसता का संदेश, 31 हजार बहनों ने मंत्री सारंग को बांधी राखी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नरेला रक्षाबंधन महोत्सव 2026 के चौथे दिन शनिवार को वार्ड क्रमांक 71 और 79 में आयोजित कार्यक्रम में 31 हजार 117 बहनों ने सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को रक्षासूत्र बांधकर अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों और समाजों की बहनों ने शामिल होकर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मंत्री सारंग ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रेम, विश्वास और रिश्तों की भावना किसी धर्म या समुदाय की सीमा में बंधी नहीं है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। अलग-अलग समाजों और धर्मों की बहनों का एक साथ आकर रक्षाबंधन मनाना सामाजिक समरसता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नरेला रक्षाबंधन महोत्सव अब केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह सांस्कृतिक एकता और आपसी विश्वास का उत्सव बन चुका है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी की भागीदारी भी देखने को मिली। युवतियों ने उत्साह के साथ रक्षासूत्र बांधकर भारतीय परंपराओं से जुड़ाव प्रदर्शित किया। महोत्सव के तीसरे दिन भी 29 हजार 179 बहनों ने मंत्री सारंग को राखी बांधी थी। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में बहनों की भागीदारी को देखते हुए नया रिकॉर्ड बनने की संभावना जताई जा रही है। वार्ड क्रमांक 36 में सुबह 11 बजे, वार्ड क्रमांक 70 में दोपहर एक बजे और वार्ड क्रमांक 37 में शाम चार बजे कार्यक्रम होंगे।

राजधानी के 35 इलाकों में आज छह घंटे बिजली बंद रहेगी

मेंटेनेंस के चलते कोहेफिजा से गोविंदपुरा तक बिजली कटौती

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शहर के करीब 35 इलाकों में रविवार को बिजली कंपनी के रखरखाव कार्य के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। कई प्रमुख आवासीय क्षेत्रों और पुराने शहर के बाजारों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक करीब छह घंटे बिजली बंद रहेगी। लोगों को बिजली से जुड़े जरूरी कार्य पहले ही पूरे करने की सलाह दी गई है। पहले चरण में गोविंदपुरा मार्केट, गोविंद गार्डन कॉलोनी, न्यू सुभाष नगर, अर्जुन नगर, अशोक नगर, चंबल कॉलोनी, शालीमार कॉम्पलेक्स, अशोका इन्क्लेव, बाग दिलकुशा, पुल बोगदा और आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इसी अवधि में नवाब कॉलोनी, शिव नगर फेस-1, फेस-2, फेस-3 और फेस-4, देवकी नगर, पन्ना नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, लालघाटी, बरेला गांव और कोहेफिजा रोड के क्षेत्रों में भी बिजली कटौती होगी। इसके अलावा नक्कार खाना, तहसील रोड, मालीपुरा, पीरगेट चौराहा, लखेरापुरा, गुर्जरपुरा, नीम रोड, इमामी गेट, रेत घाट, सिंधी मार्केट, अलीगंज, चौकी इमामबाड़ा, नूरमहल रोड और कुम्हारपुरा सहित आसपास के इलाकों में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। बिजली कंपनी द्वारा इन क्षेत्रों में रखरखाव कार्य किया जाएगा, जिसके कारण निर्धारित समय के दौरान आपूर्ति बंद रखी जाएगी। बिजली कटौती से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही बाजारों और अन्य गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।